❖ RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

❖ मुख्य संपादक सुभाषचंद्र जे. दुबे 9423426199 ❖ मुख्य प्रबंधक वीणा सुभाषचंद्र दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 19 से 25 सितंबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 13 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2021-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

आजकल रिश्तों के मामले में बढ़ते स्वार्थ ने खुशियां छीनी है. हर व्यक्ति केवल और केवल पैसे की अंधी दौड़ में भागा जा रहा है. उसे अपने या पराए किसी से कोई मतलब नहीं है. यही दुःख का कारण है.

बढ़ती आत्महत्याएं व्यवस्था पर हैं कलंक

सामाजिक चिंतन जरूरी

विश्व में 20 फीसदी आत्महत्याएं होती हैं अकेले भारत में

युवाओं की संख्या है सबसे अधिक,तनाव भी बन रहा कारण

विदर्भ स्वाभिमान, 18 सितंबर

अमरावती- जिले के साथ ही देश में बढ़ रही आत्महत्याएं निश्चित ही सामाजिक, पारिवारिक और देश की व्यवस्था की खामियों को जहां इंगित कर रही हैं, वहीं लोगों में आजकल जीने के लिए किया जाने वाला संघर्ष क्यों कमजोर पड़ रहा है, यह सामाजिक सोच का विषय होना चाहिए. युवाओं की बढ़ती आत्महत्याएं तो मन विचलित करने वाली हैं. जिस तरह से हमें शिक्षा दी जाती है, उस शिक्षा में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए भी तत्काल पहल करना जरूरी हो गया है. आज युवाओं में मामूली बात को लेकर आत्महत्या की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है. विश्व में कुल होने वाली

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष सुभाषचंद्र दुबे

आत्महत्याओं में 20 फीसदी आत्महत्याएं भारत की रहती हैं. परिवार में बढ़ता तनाव भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. वहीं प्रेम प्रकरण, बढ़ता व्यसन, बढ़ते शौक के साथ बढ़ती फिजूल खर्ची और इससे परिवार में बढ़ते तनाव की भी महत्वपूर्ण भूमिका है.देश में दिन-प्रतिदिन बढ़ रही आत्महत्याओं की दर गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि दुनियाभर में सामने आने वाली कुल आत्महत्या की घटनाओं में 20 प्रतिशत घटनाएं हमारे ही देश में होती है. इन्हें रोकने के लिए न सिर्फ प्रदेश सरकारों को गंभीर प्रयास करने की जरूरत है, बल्कि एनजीओ सहित समाज में विभिन्न स्तर पर काम कर रहे सामाजिक संगठनों को भी अपने स्तर पर आगे आकर युवाओं को प्रेरित शेष **पेज 2 पर भी देखें**

सुप्रीम कोर्ट के 37 हजार फैसले का हो चुका है हिन्दी अनुवाद

एआई की महत्वपूर्ण भूमिका, बढ़ रही है राजभाषा की महत्ता

नई दिल्ली- हिंदी और अन्य प्रादेशिक भाषाओं में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के लिए शुरू की गई मुहिम का अब अच्छा खासा असर दिखाई देने लगा है. शीर्ष कोर्ट के करीब 37,000 फैसलों का हिंदी में अनुवाद हो चुका हैं. इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की मदद से तमिल, बांग्ला, असमी, बोडो, डोगरी आदि अन्य प्रादेशिक भाषाओं में भी फैसलों का अनुवाद हो रहा है.

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान फैसलों के हिंदी और अन्य भाषाओं में अनुवाद की चल रही प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी. गुरुवार को सीजेआइ चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ जब मुकदमों की सुनवाई कर रही थी तो एक वकील ने अपने केस के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का हवाला दिया.कानूनी भाषा में इसे जजमेंट साइटेशन कहते हैं. तभी चीफ जस्टिस ने वकीलों से अनुरोध किया कि वे सुनवाई के दौरान ई-एससीआर (इलेक्ट्रानिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट) से फैसलों के न्यूट्रल साइटेशन पेश किया करें. मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में ई-एससीआर न्यूट्रल साइटेशन प्रोजेक्ट लांच किया था जिसमें वकीलों, छात्रों व सभी के लिए मुफ्त में सुप्रीम कोर्ट के फैसले उपलब्ध हैं. राजभाषा के साथ ही अन्य भाषाओं को भी प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है. यह संतोष के साथ ही लोगों के लिए महत्वपूर्ण है. इससे फैसले समझने में आसानी होगी.

संपादकीय ......

बहनों से ही बदला ले रही है राज्य सरकार

केन्द्र तथा राज्य सरकारों का महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं दिखाई दे रहा है. व्यापारी तय कर रहे हैं कि वे अपना माल क्या कीमत में बेंचे. लाड़ली बहन योजना के नाम से सरकार द्वारा बहनों को 1500 रूपए दिया जा रहा है लेकिन महंगाई को 20 फीसदी से अधिक करते हुए बहनों के दामादों से ही वह पैसा अधिक के रूप में वसूला जा रहा है. महंगाई जिस तेजी से बढ़ रही है, उसके चलते आम तथा गरीब और मध्यमवर्गी य का जीना मुश्किल हो गया है. तेल, गेहूं, चावल, दाल जैसी जीवनावश्यक वस्तुओं के साथ ही सब्जियों में आग लगी है. आज देश में गरीब त्रस्त है. उसकी समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर वह कितनी मेहनत करे. महंगाई का ग्राफ जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसे अगर समय रहते नहीं रोका गया तो निश्चित तौर पर चुनाव के बाद का महाराष्ट्र में चित्र पूरी तरह से अलग होगा.

सरकारों का रवैया आम आदमी की समझ के बाहर है. एक ओर लाड़ली बहन योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर लोगों को थोड़ा देने का दिखावा किया जाता है, वहीं दूसरी ओर महंगाई जिस तेजी से बढ़ रही है, उस पर किसी का भी ध्यान नहीं है. अमरावती शह र के साथ ही पूरे देश में महंगाई ने परेशान कर दिया है. लेकिन संभ्रम की ऐसी स्थिति पैदा की गई है कि इसमें महंगाई जैसी खतरनाक समस्या के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पा रहा है. जबकि सच्चाई यह है कि सोयाबीन का जो तेल 115 रूपए था, वह शनिवार को अचानक 20 रूपए प्रति किलो और प्रति 15 किलो के पीपे पर 250 रूपए से महंगा हो गया. कुछ यही स्थिति तअर दाल, चावल, चायपत्ती सहित अन्य जीवनावश्यक वस्तुओं की हैं. महंगाई से त्रस्त नागरिकों की आय तो नहीं बढ़ रही हैं लेकिन महंगाई के कारण जिंदगी तनाव से घिरने का अनुभव करते हैं. बढ़ती महंगाई के कारण समाज में रिश्वत, भ्रष्टाचार, चोरी, कालाबाजारी लगातार बढ़ रहा है. इस तरह से लोग आजकल स्वार्थी होते जा रहे हैं. महंगाई के लिए मजेदार लहजे में लोग यह कहते भी सुने जाते हैं कि लाड़ली बहन योजना या अन्य योजनाओं के नाम पर लोगों को पैसे देने वाली सरकार जितना महिलाओं को दे रही है, भाईयों से महंगाई के माध्यम से उससे अधिक वसूल रही है. महंगाई बढ़ने का कोई एक ही कारण नहीं है लेकिन उन कारणों पर लगाम लगाना भी सरकार के ही हाथ में है. जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है. जनसंख्या के अनुपात से उत्पादन कम होना, कृषि योग्य भूमि मे बस्तियां बस जाना, प्राकृतिक से संबंध टूट जाना आदि. महँगाई एक जटिल समस्या है, जो वस्तुओ और सेवाओं को महँगा कर देती हैं। खरीददार वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करने के लिए पहले कि अपेक्षाकृत अधिक मूल्य चुकाने के लिए बाध्य होता है. महंगाई की मार में सबसे अधिक झुलसता है गरीब और मध्यमवर्गीय व्यक्ति, जिसकी स्थिति दिन-रात मेहनत करने के बाद भी आमदनी अठन्नी खर्चा रूपैया जैसी होती है.बढ़ती महंगाई ने आम व्यक्ति को इस कदर डिप्रेशन में ला दिया है कि वह सरकार को कोसने लगा है. सरकार को समय रहते चेतना होगा, वर्ना भगवान ही मालिक रहने से इंकार नहीं किया जा सकता है.

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक, संपादक एस.जे.दुबे ने एस.बी.प्रिंटर्स, गांधी चौक अमरावती से मुद्रित कर छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती 444602 से प्रकाशित किया है. मोबाइल नंबर ***9423426199/9420406706/8855019189.*** विदर्भ स्वाभिमान में प्रकाशित होने वाले विभिन्न लेख, पत्र, साहित्य, लेखकों तथा कवियों के विचारों तथा तथ्यों पर आधारित होते हैं. इन लेखकों के विचारों,तथ्यों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है. संपादक पर केवल सम्पादकीय लेखों का ही दायित्व है. **मुख्य प्रबंधक-** सौ. वीणा सुभाषचंद्र दुबे.(सभी विवाद अमरावती जिला न्यायालय अंतर्गत).

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

E-Mail-vidarbh. swabhiman@gmail.com

www.vidarbhswabhiman.com

शारदीय नवरात्रोत्सव में लें अहम संकल्प

शारदीय नवरात्रि का पर्व आरंभ होने वाला है. इस दौरान देश में महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचारों को ध्यान में रखते हुए हम यही कामना करते हैं कि मां दुर्गा हर महिला में समाएं और राक्षसों से निपटने की ताकत हर बेटी मे होनी चाहिए. समाज में आज इस तरह के बदमाशों की संख्या बढ़ रही है. कौन किस भेष में राक्षस बन जाए, इस बारे में कुछ सोचना संभव नहीं है. अमरावती में नवरात्रि उत्सव अपार उत्साह के साथ मनाया जाता है. हम सभी को अग्रिम शुभकामनाएं देते हैं. साथ ही विदर्भ स्वाभिमान हर बेटी और महिला को इतनी मजबूत बनने की सलाह देता है, उन पर कोईबुरी नजर डालने की हिम्मत न करे. लेकिन इसके साथ ही महिलाओं को भी भारतीय आदर्श संस्कारों और मूल्यों का पालन करने का संकल्प नवरात्रि उत्सव में लेना चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

भारत त्यौहारों और पर्वों का देश है. भारतीय ही दुनिया में ऐसे होते हैं जो गम में भी खुशियां मनाने की ताकत रखते हैं. देश में आज कई समस्याएं हैं, मां के चरणों में हम कामना करते हैं कि देश की यह समस्याएं दूर हों और हमारा भारत खुशहाल हो. नवरात्र की अवधि में कई नियमों का ध्यान रखा जाता है, ताकि साधक और उसके परिवार पर माता रानी की कृपा बनी रहे. नवरात्रकी अवधि एक बहुत पवित्र अवधि मानी गई है. इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना करने का विधान है. ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि घटस्थापना के साथ आपके घर में माता रानी का आगमन हो, तो इसके लिए नवरात्र से पहले कुछ चीजों को घर से बाहर निकाल दें. इस दौरान साफ-सफाई का अत्याधिक महत्व रहता है. ऐसे में घर की साफ-सफाई के साथ कहीं भी जाला नहीं रहने दें.

शारदीय नवरात्र में घर में सकारात्मक माहौल रहना चाहिए. ऐसे में इस दौरान घर से देवी-देवताओं की खंडित मूर्ति या फिर टूटी हई मूर्ति व तस्वीर हटा देनी चाहिए, क्योंकि यह नकारात्मकता पैदा करती हैं. साथ ही इनसे घर में वास्तु दोष भी उत्पन्न हो सकता है. ऐसे में आप इन्हें किसी पवित्र नदी या तालाब में विसर्जित कर सकते हैं.

शारदीय नवरात्र में सात्विक भोजन करने की सलाह दी जाती है और लहसुन-प्याज खाने की भी मनाही होती है. वरना इससे आपको नवरात्र की अवधि का कोई लाभ नहीं मिलता. ऐसे में कोशिश करें कि लहसुन-प्याज को घर में न लाएं. इसी के साथ नवरात्रि से पहले लंबे समय से सूखे पड़े फूलों को भी घर से बाहर कर देना चाहिए. क्योंकि यह शुभ नहीं माना जाता.शारदीय नवरात्रि से पहले आपको अपने घर से फटे-पराने जूते-चप्पल, कांच का टूटा सामान, बेकार या खराब पड़ी घड़ी आदि को बाहर कर देना चाहिए. वरना ये चीजें साधक की तरक्की में बाधा डाल सकती हैं. इसी के साथ आप अपने घर से फटे-पराने कपड़ों को भी बाहर कर देना चाहिए. क्योंकि ये सभी चीजें नकारात्मकता को बढ़ाती हैं. मां दुर्गा की दिल से आराधना के साथ ही साफ-सफाई जहां होती है, वहीं सम्पन्नता और स्वास्थ्य भी होता है. इसका ध्यान रखते हुए घर के सभी बेकार वस्तुओं को घर के बाहर करते हुए स्वच्छता पर ध्यान दे.

देश में बढ़ती आत्महत्याएं हैं चिंता का विषय

पेज 1 से जारी- करना चाहिए.विश्व की तुलना में भारत में बढ़ती आत्महत्याएं अधिक हैं. महाराष्ट्र में किसान आत्महत्याओं के साथ युवक-युवतियों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याएं भी चिंतनीय हैं. उनके अनुसार बीते दो दशक के आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रति एक लाख आत्महत्याओं का 7.9 से 10.3 भाग भारत के हिस्से आता है. साल 2010 में 1 लाख 87 हजार आत्महत्याएं हुई. इनमें अधिकतर संख्या 15 से 29 साल तक के किशोरों व युवाओं की थी. देश के 45 शहरों का सर्वेक्षण करने पर पंजाब का लुधियाना देश का दूसरे सबसे बड़े आत्महत्याओं वाले जिले के रूप में सामने आया है. रानी सोढी ने कहा कि आज की भागदौड़ वाली जिंदगी में हालांकि अवसरों की कमी नहीं है, लेकिन सही मार्गदर्शन व धैर्य की कमी युवाओं को निराशा व डिप्रेशन का शिकार बना देती है. सभी प्रदेशों की सरकारों को चाहिए कि वे व्यावसायिक जीवन में कदम रखने वाले युवाओं के सही मार्गदर्शन हेतु ठोस कदम उठाएं.

सामाजिक संगठन स्कूलों-कॉलेजों में सेमिनार आदि का आयोजन करके बाल अवस्था में ही युवाओं को मानसिक तौर पर मजबूत बनाने का प्रयास करे. स्कूल पाठ्यक्रम में भी दुनियाभर के सफल लोगों के जीवन संघर्ष की कहानियों को उचित स्थान दिया जाए तो बच्चों को इससे उल्लेखनीय प्रेरणा मिल सकती है.

परिवार में बढ़ता तनाव

आत्महत्या के कारणों में कभी बार बेरोजगारी, गरीबी, फसलों की बर्बादी के साथ ही परिवार में बढ़ता तनाव भी कारण होता है. संस्कारों के अभाव में आज किसी की भी सुनने वाली मानसिकता खत्म होती जा रही है. विनम्रता के साथ ही किसी की बात को ध्यान से सुनने और समझदारी से प्रतिक्रिया देने की बजाय आज समस्या से जूझने और रास्ता निकालने वाली मानसिकता ही खत्म हो रही है. गलत समय पर गलत काम करने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण युवा पीढ़ी की आत्महत्या तेजी से बढ़ रही है. आज युवाओं में माता-पिता को लेकर जहां संवेदनशीलता, आत्मीयता कम हुई है, वहीं दूसरी ओर शाही जीवन जीने का सपना हर युवक-युवती देखते हैं लेकिन यह जीवन जीने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है, इससे कन्नी काटने का प्रयास करते हैं. बढ़ती महंगाई के कारण आज पिता पर सबसे अधिक बोझ आया है. परिवार में पैसे को लेकर बढ़ते तनाव, प्रेम भंग में आत्महत्या करने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं. अमरावती जिले के साथ ही विदर्भ में आत्महत्याएं जिस तेजी से बढ़ रही हैं, उसके मद्देनजर आगामी समय कितने खतरनाक रह सकते हैं, इसका सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है.

समर्पित,सक्षम नेतृत्व हैं धाने पाटिल

ज्ञानेश्वर धाने पाटिल के जन्मदिन पर विशेष

जिले में शिवसेना के लोकप्रिय नेता और सामाजिक के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लाखों छात्रों का जीवन संवारने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटील समर्पित, निष्ठावान, बेबाक और सामाजिक कार्यों में समर्पित नेता हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. भाऊ जहां सादगी की मिसाल हैं, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के चहेते नेता हैं. हजारों कार्यकर्ताओं के चहेते रहने के कारण अपार लोकप्रियता उन्हें मिली है.

शिवसेना के एकनिष्ठ तथा जुझारू नेता के रूप में ज्ञानेश्वर धाने पाटिल को पहचाना जाता है. उन्होंने जहां पार्टी की मजबूती में स्वयं को झोंक दिया है, वहीं पार्टी से बिना चाहत रखे केवल और केवल पार्टी मजबूती के लिए सदैव प्रयासरत हैं. किसानों की समस्या हो, लोगों की समस्या हो, वे सदैव जूझने के लिए तैयार रहते हैं. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने के चलते ही पार्टी ने उन पर अमरावती जिला समन्वयक की जिम्मेदारी डाली है. बडनेरा के दो बार विधायक रहे लोकप्रिय शिवसेना नेता ज्ञानेश्वर धाने पाटिल क़े मुताबिक पार्टी ने उन्हें बहुत

विदर्भ स्वाभिमान

ज्ञानेश्वर धाने पाटिल

कुछ दिया, उसके मद्देनजर वे पार्टी के लिए सदैव प्रयास करते हैं. पार्टी के कट्टर कार्यकर्ता से लेकर नेता तक तथा विधायक तक का सफर उन्होंने तय किया. दो बार विधायक रहने के बाद भी कोई गर्व नहीं है. पार्टी के कार्यकर्ताओं को जहां वे पुत्रवत मानते हैं, वहीं कहते हैं कि पार्टी के कार्यकर्ता ही असली ताकत होते हैं. ऐसे में कार्यकर्ताओं को सदैव सम्मान दिया जाना चाहिए.

वे कहते हैं कि जो कुछ भी उन्हें मिला है, उनके आराध्य बालासाहब ठाकरे और उद्धव ठाकरे की देन है. यही कारण है कि उन्होंने जिले में शिवसेना को मजबूती प्रदान करने में अपना हरसंभव प्रयास किया और कर रहे हैं. पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे को निश्चल नेता बताते हुएवे कहते हैं कि राज्य की जनता उन्हें दिल से चाहती है. इसका असर आगामी दिनों में दिखाई देगा. राजनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में गरीब छात्रों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराने, किसानों को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन में सदैव अग्रणी रहते हैं. धाने पाटिल संवेदनशील नेता हैं.राजनीति को समाजसेवा का माध्यम मानने वाले धाने पाटिल का कहना है कि मानवता की सेवा सबसे बड़ी सेवा होती है. इसलिए दलगत भावना से ऊपर उठकर सदैव यह की जानी चाहिए. जब हम मानवता की सेवा करते हैं तो इससे मिलने वाला संतोष कभी भुलाया नहीं जा सकता है. उनका स्पष्ट मत है कि जब हम अच्छी सोच के साथ कुछ करेंगे तो उसका नतीजा निश्चित ही अच्छा निकलेगा. बडनेरा के विधायक रहते समय करोड़ों रूपए के विकास काम करने के साथ ही शिवसेना के हिंदुत्व संबंधी विचारों से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया. उनका मानना है कि जिस ठाकरे परिवार ने लाखों की जिंदगी बदल दी, किस्मत बदल दी, उस पार्टी के साथ दगा करना अपनेआप में सबसे बड़ा पाप है. वे कहते हैं कि राज्य की जनता समझदार है. शिवसेना उनके खून में रहने की बात कहते हैं. शिवसेना क़ी मजबूती को सर्वाधिक प्राथमिकता देने वाले धाने पाटिल पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता से लेकर नेता रहे हैं. उनका शुक्रवार 15 सितंबर को जन्मदिन है.विदर्भ स्वाभिमान की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही मां भवानी के चरणों में कामना. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

पूर्व विधायक, लाखों गरीब बच्चों के बेहतरीन शिक्षा की सुविधा, शिवसैनिकों में लोकप्रिय

ज्ञानेश्वर धाने पाटील

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

धाने पाटील मित्र मंडल, विदर्भ स्वाभिमान परिवार और संस्था के सभी शिक्षक,कर्मचारी तथा लाखों चाहने वाले.

जिस घर में माता-पिता हंसते हैं,भगवान वहीं पर बसते हैं

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए.

किताब खरीदने के लिए संपर्क करें मो. 9423426199/8855019189

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

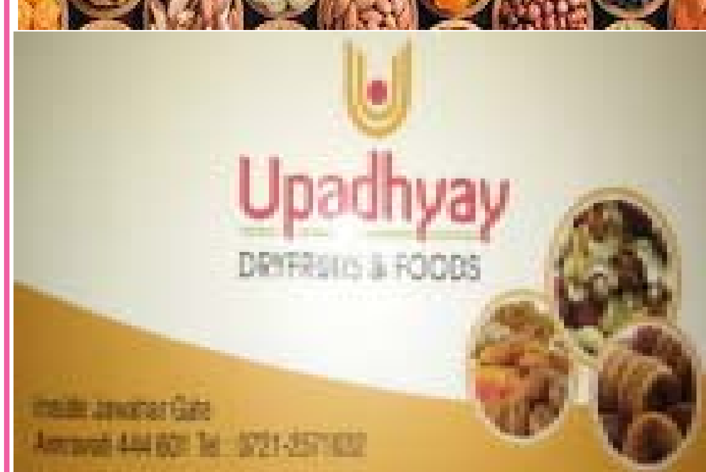

मां भक्तों को सुविधा, मैहर स्टेशन पर रूकेंगी कई गाड़ियां

नवरात्रि की तैयारियों में लगे मां के भक्त, अपार उत्साह से मनेगा नवरात्रोत्सव

अमरावती- अमरावती के साथ ही समूचे देश में नवरात्रि उत्सव अपार भक्तीभाव तथा विभिन्न धार्मिक और सामाजिक उपक्रमों से मनाया जाएगा. इसकी तैयारियां शुरू हो गयी हैं. अंबादेवी-एकवीरा देवी मंदिर में जहां प्रबंधन द्वारा भक्तों की सुविधा के लिए किए जाने वाले उपायों पर मंथन शुरू किया गया है, वहीं दूसरी ओर देश के विभिन्न हिस्सों में स्थिति शक्तिपीठ में भक्तों की उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर तैयारियां की जा रही हैं. इस कड़ी में देशभर के शक्तिपीठों में मां की आराधना की तैयारी चल रही है. भारतीय रेलवे द्वारा भी यात्रियों की सुविधा के लिए शक्तिपीठ स्थलों पर कई गाड़ियों को स्टॉपेज देते हुए भक्तों की सुविधा का प्रयास किया जा रहा है.

गणेशोत्सव के बाद अब मां की आराधना के पवित्र उत्सव नवरात्रि उत्सव को लेकर देशवासियों में अपार उत्साह है. नवरात्रि के दौरान मध्य प्रदेश के मैहर में स्थित शक्तिपीठ मां शारदा भवानी के दर्शन के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पहुंचते हैं. भक्तों की संख्या को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों से दौड़ने वाली रेलवे गाड़ियों को यहां पर स्टॉपेज दिया गया है. इससे जहां भक्तों को मां शारदा भवानी का दर्शन करने का पुण्य लाभ प्राप्त होगा, वहीं दूसरी ओर रेलवे को भी जबर्दस्त आय की संभावना जताई जा रही है.

विदर्भ मानसोपचार तज्ञ संघटना की नई कार्यकारिणी घोषित

डॉ.विद्युत खांदेवाले अध्यक्ष,डॉ.अनुपम राठोड सचिव बने,21 को पदग्रहण

विदर्भ स्वाभिमान, 18 सितंबर

अमरावती- विदर्भ मानसोपचार तज्ञ संघटना एवं अमरावती मानसोपचार तज्ञ संघटना इनके सहयोग से विदर्भ मानसोपचार तज्ञ संघटना का पदग्रहण समारोह शनिवार 21 सितंबर 2024 को होटल प्राइम पार्क अमरावती में होने जा रहा है.अमरावती के सुप्रसिद्ध मानसोपचार तज्ञ डॉ.विद्युत खांदेवाले अध्यक्ष पद पर,डॉ अनुपम राठोड़ सचिव पद पर तथा डॉ रोहित देशमुख कोषाध्यक्ष के पद पर 2024 25 के लिए चुने गए हैं.डॉ विद्युत खांदेवाले और उनकी चमू इस कार्यक्रम में पदभार स्वीकारेंगी.

इस कार्यक्रम के लिए भारतीय मानसोपचार तज्ञ संघटन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और जाने-माने मानसोपचार तथा ब्रेन विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मीकांत राठी जी प्रमुख अतिथि के रूप में होंगे. उनके हाथों नई टीम की स्थापना होगी. संत गाडगे बाबा विद्यापीठ अमरावती के कुलगुरु सम्माननीय डॉक्टर मिलिंद बारहाते इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में है. पीडीएमसी के डीन डॉ. अनिल देशमुख,डॉ. सुधीर भावे ज्येष्ठ मानसोपचार तज्ञ नागपुर विशेष अतिथि है.पद ग्रहण समारोह पश्चात डॉ सुधीर भावे, डॉ सुशील गावंडे, डॉ परिमल तायडे इनका मार्गदर्शन भी आयोजित किया गया है. विदर्भ के सभी 11 जिलों से मानसोपचार तज्ञ इस परिषद में उपस्थित होंगे.

विदर्भ मानसोपचार संघटना ,यह विदर्भ स्तरीय संगठन है. सर्वप्रथम 2002 साल में इसकी स्थापना हुई .डॉ लक्ष्मीकांत राठी प्रथम संस्थापक अध्यक्ष थे.यह संगठन मानसिक आरोग्य मानसिक बीमारी और उनसे जुड़े गैर प्रवाह को दूर करने का, जन जागरण करने का काम करती है.संगठन द्वारा नई कार्यकारिणी के पदग्रहण के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा.

मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

गडगड़ेश्वर महादेव मंदिर में 23 से शिव महापुराण कथा

महाकाल नगरी उज्जैन के उन्हेल के शिव शर्मा महाराज सुनाएंगे कथा, 23 को भव्य कलश यात्रा

विदर्भ स्वाभिमान, 25 सितंबर

अमरावती-स्वार्थ भरी इस दुनिया में आज जहां सगे नाते रिश्ते आज के दौर में जहां महत्वहीन हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर दोस्ती का एक रिश्ता ऐसा होता है अगर यह इमानदारी से निभाया जाए तो समुचित दुनिया में इसके जैसा रिश्ता नहीं होता है. इसी तरह का एक मामला सामने आया है जहां अपने बिछड़े मित्र की याद में वीएनके मार्निंग ग्रुप तथा जयभोले ग्रुप द्वारा शहर के प्राचीन गडगडेश्वर मंदिर में 23 से 29 सितंबर तक भव्य शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया है. आम तौर पर जग के कल्याणकर्ता भगवान शिव की कथा जनकल्याण तथा परिवार कल्याण के लिए कराई जाती है लेकिन अमरावती के इतिहास में पहली बार अपने जिगरी मित्र स्व.विनोद खुळसाम और स्व. हिंगूसेठ चावरे की स्मृति में यह कथा आयोजित करने के चलते इस कथा को लेकर शहरवासयों में अपार उत्साह है. कथा की सफलता के लिए पूरी अंबा नगरी और अन्य का भी सहयोग मिल रहा है.

इस कथा की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इस शिव पुराण महा कथा के प्रवक्ता महाकाल की नगरी उज्जैन जिले के उन्हेल के गोलोक धाम गौशाला के

संचालक और भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त पंडित शिव गुरु जी भक्तों को शिव महापुराण कथा का रसपान कराएंगे. आडंबर से दूर रहने वाले तथा भगवान भोलेनाथ की सेवा में सदेव रत रहने वाले पंडित शिव गुरूजी द्वारा इस कथा से प्राप्त राशि का उपयोग को लोक धाम स्थित गौशाला में गौ माता के लिए की जाएगी. कथा को लेकर जिस तरह की तैयारी वीएनके ग्रुप द्वारा की जा रही है उसके चलते यह शिव कथा निश्चित तौर पर प्राचीन गडगडेश्वर महादेव मंदिर के इतिहास में अपना अलग स्थान बनाएगी. कहते हैं दोस्ती में कभी कोई ऊंचा नीचा नहीं होता, कभी कोई बड़ा छोटा नहीं होता, जिस तरह से भगवान श्री कृष्ण और सुदामा की दोस्ती को आज भी लोग सम्मान के साथ याद करते हैं और दोस्ती की मिसाल देते हैं. मित्र की याद में महादेव मंदिर में आयोजित यह शिव पुराण कथा और इसमें पधारने वाले कथा प्रवक्ता शिव गुरु जी महाराज गौ माता के अनन्य भक्त रहने के कारण निश्चित तौर पर यह कथा दोस्ती के समर्पण का जहां मिसाल साबित होगी, वहीं दूसरी ओर इस कथा के माध्यम से पावन अंबा नगरी में सड़क दुर्घटनाओं में घायल तथा दूध नहीं देने वाली सैकड़ो गौ माता की सेवा का मौका अमरावती वासियो को मिलेगा. कहते हैं अगर इरादे नेक है तो भोलेनाथ का आशीर्वाद अपने हर भक्त को मिलता है. इस शिव पुराण कथा की सफलता के लिए जिस तरह से ग्रुप के सभी सदस्य, जय भोले ग्रुप और मित्र परिवार लगा हुआ है उसके मद्देनजर अमरावती में अभी तक हुई विभिन्न कथाओं से यह कथा पूरी तरह से जुदा रहने का विश्वास भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त और दोनों ग्रुप के सभी साथियों ने व्यक्त किया है. अपने जिगरी मित्र की याद में 23 से 29 सितंबर तक आयोजित कथा का भक्तों से लाभ लेकर जीवन धन्य करने का आग्रह किया है.

इससे पूर्व कथा आरंभ होने से पूर्व 23 सितंबर को महिलाओं की भव्य कलश यात्रा निकलेगी में. कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाओं से शामिल होने और पुण्य लाभ लेने का आग्रह भोलेनाथ के भक्तों ने किया है.

महाप्रसाद से हुआ खल्लार बालाजी में श्रीमद् भागवत कथा का समापन

हजारों भक्तों ने उठाया लाभ, भक्तिभाव में डूबा गांव

विदर्भ स्वाभिमान, 18 सितंबर

अमरावती - जिले की भातकुली तहसील के खल्लार बालाजी स्थित बालाजी मंदिर में संस्थान में गुरुवार 12 से 18 सितंबर तक अखंड श्रीमद् भागवत सप्ताह का हजारों भक्तों ने लाभ लिया. इस दौरान सुख्यात भागवतकार गोदावरीताई बंड भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा सुनाते हुए विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया, वहीं गांववासियों ने भी एकजुटता का परिचय देते हुए इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाया. महाप्रसाद से कथा का समापन हुआ. इसमें भी हजारों भक्तों ने भाग लिया. दो सत्रों मेहुई कथा को सफल बनाने के लिए श्री बालाजी संस्थान खल्लार तथा गांववासियों ने प्रयास किया. सुबह 10 से 12 तथा दोपहर 3 से 5.30 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का भक्त रसपान करवाया.कथा की सफलतार्थ श्री बालाजी संस्थान खल्लार (बालाजी) के सभी ट्रस्टी तथा गांववासियों द्वारा प्रयास किया.

कार्यक्रम के दौरान कथा के अलावा हर दिन सुबह 5 से 6 बजे काकड़ा आरती, हर दिन शाम 6.30 से 7.30 बजे हरिपाठ का भक्तों से लाभ भक्तों ने लिया. 12 सितंबर को सुबह 6 से 8 बजे तक श्री का अभिषेक अमरावती निवासी प्रेम गुप्ता ने किया.रात 9 से 11 बजे तक खल्लार बालाजी पुरुष भजनी मंडल का भजन कार्यक्रम हुआ. शुक्रवार को महिला भजनी मंडल खल्लार का भजन कार्यक्रम, शनिवार 14 सितंबर को रात 9 से 11 बजे श्रीकृष्णराव जिरापुरे का हरिकिर्तन, रविवार 15 सितंबर को रात 9 से 11 बजे तक श्री गजानन महाराज हरिपाठ महिला मंडल का भजन, सोमवार 16 को रात 9 से 11 बजे ग्रामस्तरीय महिला भजन स्पर्धा, 25 से 60 वर्ष के उम्र गुट वालों के लिए रखी गई थी. इसका बड़ी संख्या में लाभ लोगों द्वारा लिया गया. शुक्रवार को खल्लार बालाजी मंदिर में हुए विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर खल्लारवासियों में अपार उत्साह था. मंगलवार 17 सितंबर रामराव लव्हाले महाराज का हरीकिर्तन हुआ, इसमें पूरा गांव उमड़ पड़ा था. कथा का समापन महाप्रसाद के साथ 18 सितंबर को हुआ, जिसका हजारों भक्तों ने लाभ लिया. गांव में कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी ने प्रयास किया.

कार्यालय, कार्यकारी अभियंता
विशेष प्रकल्प (सा.बां.) विभाग क्रं. २ दर्यापूर

ई मेल पत्ता : daryapur.ee@mahapwd.gov.in   दूरध्वनी/फॅक्स क्रमांक : ०७२२४-२३४२३१

निविदा सुचना क्रमांक २३/निली/२०२४-२५/दि.१८/०९/२०२४

कार्यकारी अभियंता, विशेष प्रकल्प (सा.बां.) विभाग क्र.२ दर्यापूर दूरध्वनी क्रमांक ०७२२४-२३४२३१ हे राज्यपाल, महाराष्ट्र शासन ह्यांच्या वतीने खालील कामाचे ब-१ नमुन्यातील ऑफलाईन निविदा सार्वजनिक बांधकाम विभाग महाराष्ट्र शासनाकडील योग्य त्या वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून मागवित आहे. निविदा कागदपत्र शासनाच्या संकेतस्थळावर https://mahapwd.gov.in येथुन डाऊनलोड करण्यात यावी. तसेच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, विशेष प्रकल्प (सा.बां.) विभाग क्र.२ दर्यापूर यांनी राखुन ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित किंमत
१	विशेष प्रकल्प (सा.बां.) विभाग क्र.२ दर्यापूर या इमारतीची किरकोळ दुरुस्ती करणे.	८४३६७६.००
२	दर्यापूर येथील शासकीय धान्य गोदाम क्रं.१ ची विविक्षित दुरुस्ती करणे.	८४३४७०.००
३	दर्यापूर येथील शासकीय धान्य गोदाम क्र.२ ची विविक्षित दुरुस्ती करणे.	८४३४७०.००
४	दगडागड ता. भातकुली येथील श्री हनुमान मंदिरासमोरील व लगतच्या गल्लीचे कांक्रीटीकरण करणे.	८४८०४२.००
५	वाकी रायपुर ता. भातकुली येथील श्री.प्रविण जांभे ते प्रमोद डोंगरे यांच्या घरासमोरिल चौक काँक्रीटीकरण करणे.	५९०५९८.००
१	निविदा डाऊन लोड करण्याचा कालावधी	दि.२०.०९.२०२४ @१०.०० वाजता ते २७.०९.२०२४ @ १७.०० वाजत
२	निविदा पुर्व बैठक स्थळ, दिनांक व वेळ	निरंक
३	निविदाकारांनी ऑनलाईन निविदा तयार करण्यासाठीची व सादर करण्याची (तांत्रिक व आर्थिक निविदा) अंतिम दिनांक व वेळ	दि.२०.०९.२०२४ @१०.०० वाजता ते २७.०९.२०२४ @ १७.०० वाजत
४	ई-निविदेची हार्ड कॉपी सादर करण्याचे ठिकाण, दिनांक व वेळ	ई-निविदा पोर्टलवर निविदा सादर केल्यानंतर निविदा बाबतची हार्ड कॉपी एक प्रतीत (तांत्रिक लिफाफा) सीलबंद लिफाफ्यामध्ये दि.२७.०९.२०२४ ते दि. ३०.०९.२०२४@ १२वाजता पर्यंत निविदेनुसार कार्यालयात सादर करणे बंधनकारक आहे.
५	तांत्रिक व आर्थिक निविदा उघडण्याचे ठिकाण	कार्यकारी अभियंता, विशेष प्रकल्प (सा.बां) विभाग क्र.२ दर्यापूर यांचे कार्यालयात दि.३०.०९.२०२४@ १२वाजता ते @ १७.३० पर्यंत ऑफलाईन उघडण्यात येतील (शक्य झाल्यास)

खालील संकेतस्थळावर ऑफलाईन -निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.

१) https://mahapwd.gov.in
(सदर निविदे सुचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास वरील वेबसाईवरती कळविण्यात येईल.)
२) कार्यकारी अभियंता, विशेष प्रकल्प (सा.बां) विभाग क्र.२ दर्यापूर कार्यालयातील सूचना फलक

जा.३७७८/नि.नी./दि.१८/०९/२०२४
कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय, विशेष प्रकल्प (सा.बां.) विभाग क्र.२ दर्यापुर

(प्रतीक गिरी)
कार्यकारी अभियंता
विशेष प्रकल्प (सा.बां.) विभाग क्र.२, दर्यापूर

(जिमाका/अम./जाहि./७२/२०२४)

दिव्यांग सेवा में समर्पित,यारों का यार है पंकज मुद्गल

ज़न्मदिन पर विशेष

दिव्यागों की सेवा भी ईश्वर सेवा से कम नहीं होती है. हर व्यक्ति को दिव्यांगों की सेवा में अपना योगदान देने के साथ ही उनकी मदद का प्रयास करना चाहिए. इससे मिलने वाला आत्मिक आनंद करोड़ों रूपए की दौलत से भी अधिक होगा. बस एक बार प्रयास करके देखना चाहिए.

दिव्यागों की सेवा को ही जीवन का लक्ष्य बनाने के साथ ही माता-पिता की आदर्श सीख, समाज को आगे बढ़ाने के लिए योगदान देने की खूबी जहां पंकज मुदगल को भीड़ में भी चेहरा बनाती है, वहीं यारों के यार के रूप में वह सभी मित्रों का चहेता. वह कहता है कि जो भी जिम्मेदारी हमें प्रभु ने सौंपी है, उसका सही तरीके से निर्वहन करने का प्रयास करना चाहिए. बाकी भगवान पर छोड़ देना चाहिए. डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध कर्मशाला के प्रबंधकीय अधीक्षक पंकज मुदग़ल ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उक्त बात कही. उनके मुताबिक देश के गौरव और विकास में हर व्यक्ति को योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. इससे निश्चित ही भारत को महासत्ता बनने में समय नहीं लगेगा. अभी तक दिव्यांग सेवा के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित पंकज मुद्गल का पिछले दिनों सांसद सौ. नवनीत राणा और विधायक रवि राणा के हाथों मॉडल स्टेशन पर हुए समारोह में शानदार सत्कार किया गया. ड्रॉ.नरेन्द्र भिवापुरकर अंध विद्यालय के अंतर्गत कर्मशाळा में व्यवस्थापकीय अधीक्षक के रूप में सेवारत पंकज यारों का जितना दिलदार यार है, समाज और राष्ट्र के प्रति भी उतना ही जिम्मेदार व्यक्तित्व है. कोरोना महामारी के दौरान दिव्यांगों के साथ ही वरिष्ठों , बुजुर्गों की जिस तरह से सराहनीय सेवा उसने की, जरूरतमंदों को मदद दी.कोई भी व्यक्ति परिपूर्ण नहीं होता है. ऐसे में इंसान में कुछ कमियां हो सकती हैं लेकिन इंसानियत की परिपूर्ण भावना ही पंकज की सबसे बड़ी खूबी है. पिछले पंद्रह वर्षों से उसके साथ दोस्ती पर गर्व किया जा सकता है.उसके मुताबिक जब हम किसी को प्रेम और सम्मान देते हैं तो वही लौटकर और बढ़कर हमें मिलता है. जीवन में जितना हो सके, प्रेम बांटते रहना चाहिए. ऐसा करने वाले पर जीवन में कभी अकेला रहने की नौबत नहीं आती है.

राष्ट्र सभी का पहला कर्तव्य

पंकज के मुताबिक देश है तो हम सब हैं. इसलिए हर व्यक्ति के लिए जाति, धर्म,पंथ से महत्वपूर्ण राष्ट्र है. आज हमारी सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे अपने जान की बाजी लगाकर सेना के जवान सीमा पर सेवा देते हैं. उनका त्याग सभी को सर्वोच्च मानना चाहिए. यह गर्व की बात है कि आज हम आजादी के अमृत महोत्सव के हम सभी साक्षी हैं, यह हमारे सभी के लिए परम भाग्य की बात है. इसके साथ ही हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां देवी-देवताओं का अवतार हुआ है. इतना ही नहीं तो यह ऐसा महान देश है, जहां सभी को मान, सम्मान है. इसीलिए भारत देश को महान कहा जाता है. विदर्भ स्वाभिमान द्वारा वर्ष भर आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में शुरू किए गए अभियान की सराहना की. साथ ही कहा कि आज राष्ट्र को लेकर अपार प्रेम और सद्भावना है. यह खूबी केवल भारत में ही हो सकती है. यहां तिरंगे की छांव में हर धर्म के पंथ के झंडे गौरव और सम्मान के साथ रहते हैं.जिला अपंग शिक्षक कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष के रूप में भी पंकज मुदगल विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए भी प्रयास करते हैं. अभी तक कई समस्याओं का निराकरण करवाने में भी सफल रहा है. उसके मुताबिक हमारे अच्छे-बुरे कर्मों का हिसाब होना तय है, ऐसे में सभी को राष्ट्र के प्रति समर्पित रहते हुए बेहतरीन कर्म करने और स्वयं के साथ राष्ट्र की प्रगति में भी योगदान देने का प्रयास करना चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान, अमरावती.

गुरूवार 2 नवंबर से 9 नवंबर 2023

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.सप्ताह खुशियों से भरा रहेगा और खुशियां बढ़ती रहेंगी.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए सप्ताह में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.स्वास्थ्य को संभालकर रखें, अधिक दगदग अच्छी नहीं होगी. सावधानी से गाड़ी चलाएं.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

प्राचीन खल्लार बालाजी मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा आज से

भागवतकार गोवावरीबाई बंड सुनाएंगी कथा, तैयारी पूरी

विदर्भ स्वाभिमान, 11 सितंबर

जिले की भातकुली तहसील के खल्लार बालाजी स्थित बालाजी मंदिर में संस्थान में गुरूवार 12 से 18 सितंबर तक अखंड श्रीमद् भागवत सप्ताह रखा गया है. इसमें सुख्यात भागवतकार गोदावरीताई बंड भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा सुनाएंगी. दो सत्रों में होने वाली भागवत कथा का भक्तों से लाभ लेने का आग्रह श्री बालाजी संस्थान खल्लार तथा गांववासियों ने किया है. सुबह 10 से 12 तथा दोपहर 3 से 5.30 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का भक्त रसपान कर सकेंगे. कथा की सफलतार्थ श्री बालाजी संस्थान खल्लार (बालाजी) के सभी ट्रस्टी तथा गांववासियों द्वारा प्रयास कर रहे हैं.

कार्यक्रम के दौरान कथा के अलावा हर दिन सुबह 5 से 6 बजे काकड़ा आरती, हर दिन शाम 6.30 से 7.30 बजे हरिपाठ का भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है. 12 सितंबर को सुबह 6 से 8 बजे तक श्री का अभिषेक अमरावती निवासी प्रेम गुप्ता करेंगे. रात 9 से 11 बजे तक खल्लार बालाजी पुरुष भजनी मंडल का भजन कार्यक्रम होगा. शुक्रवार को महिला भजनी मंडल खल्लार का भजन कार्यक्रम, शनिवार 14 सितंबर को रात 9 से 11 बजे श्रीकृष्णराव जिरापुरे का हरिकिर्तन, रविवार 15 सितंबर को रात 9 से 11 बजे तक श्री गजानन महाराज हरिपाठ महिला मंडल का भजन, सोमवार 16 को रात 9 से 11 बजे ग्रामस्तरीय महिला भजन स्पर्धा, 25 से 60 वर्ष के उम्र गुट वालों लिए ली जायेगी. मंगलवार 17 सितंबर रामराव लव्हाले महाराज का हरीकिर्तन होगा. कथा का समापन महाप्रसाद के साथ 18 सितंबर को होगा. भक्तों से कथा का लाभ लेने और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने का आग्रह किया गया है.

भुसावल मंडल पर स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ

विदर्भ स्वाभिमान, 18 सितंबर

भुसावल- रेलवे द्वारा स्वच्छता को अत्याधिक महत्व देते हुए 17 सितंबर, 2024 को मध्य रेल पर स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 का शुभारंभ किया गया. इस अभियान की 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' यह थीम रखी गई है. अभियान में रेलवे के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लेते हुए स्वच्छता के महत्व से सभी को अवगत कराया.

भुसावल मंडल ने इस अभियान के दौरान स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है . इन गतिविधियों के तहत 17 सितंबर को स्वच्छता की शपथ ली गई. भुसावल मंडल कार्यालय प्रांगण में अपर मंडल रेलवे प्रबंधक प्रशासन श्री सुनील कुमार सुमन इन्होने सभी शाखा अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई. मंडल के सभी स्टेशनों, कोचिंग डिपो, मंडल रेलवे अस्पताल, रेलवे कार्यालयों, रेलवे स्कूल, क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान भुसावल , विद्युत लोको शेड भुसावल में कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली. इसके साथ ही रेलवे यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया.

इसके साथ ही, मंडल में विभिन्न स्थानों पर 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया. ऑफिसर कॉलोनी के खानदेश रेस्ट हाउस, भुसावल में अभियान के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम में इस अवसर पर अप्पर मंडल रेल प्रबंधक श्री सुनील कुमार सुमन (प्रशासन), श्री एम. के. मीणा(तकनीकी) एवं अन्य अधिकारी गण द्वारा 20 पौधों का वृक्षारोपण किया गया. भुसावल मंडल में कुल 215 पौधों का वृक्षारोपण किया गया.

इसकी साथ ही 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत भुसावल मंडल ने आज दिनांक 18.09.2024 को 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' का आयोजन किया. इस विशेष शिविर का उद्देश्य सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच करना और उन्हें आवश्यक सुरक्षा उपकरण प्रदान करना था.

सफाई कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच मंडल के सभी रेलवे अस्पताल में की गई, जिसमें सभी हाउसकीपिंग स्टाफ, सफाई कर्मी, और ठेकेदार कर्मचारियों ने भाग लिया. इस स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉक्टरों की एक टीम ने कर्मचारियों का समुचित स्वास्थ्य परीक्षण किया और उनकी आवश्यक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान किया.

सुरक्षा की दृष्टि से, सभी कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण वितरित किए गए, जिसमें मास्क और हाथ के दस्ताने शामिल थे. यह पहल सफाई मित्रों को उनके कार्यस्थल पर सुरक्षित रहने में मदद करने के लिए है, जिससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा सके और उन्हें संक्रमण से बचाया जा सके.

भुसावल और जलगांव स्टेशन पर गोदावरी फाउंडेशन के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. अकोला स्टेशन में सेंट्रल हॉस्पिटल एवं नासिक स्टेशन पर अनन्या मेडिकल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया.इस शिविर के माध्यम से भुसावल मंडल ने यह सुनिश्चित किया कि सफाई कर्मी न केवल स्वच्छता में योगदान दें, बल्कि अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा का भी ध्यान रखें. आने वाले दिनों में इस तरह के शिविरों का आयोजन जारी रहेगा, ताकि सभी सफाई मित्र सुरक्षित और स्वस्थ रह सकें.

आने वाले दिनों में इस तरह के शिविरों का आयोजन जारी रहेगा, ताकि सभी सफाई मित्र सुरक्षित और स्वस्थ रह सकें.

17 सितंबर, 2024 से 2 अक्टूबर, 2024 तक चलने वाला स्वच्छता ही सेवा अभियान स्वच्छता और सतत अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर जोर देता है. इस वर्ष का अभियान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ के साथ समानता रखता है, जो देश भर में स्वच्छता और स्वच्छता में सुधार के लिए चल रही प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है. अभियान की सभी ने सराहना की. साथ ही स्वच्छता को जीवन की आदत बनाने कहा.

विदर्भ के राजा की 23 सितंबर को विदाई

शहर में 532 तथा जिले में 1400 से अधिक गणेश मंडलों द्वारा दी जा रही आमंत्रण के साथ विघ्नहर्ता को विदाई

विदर्भ स्वाभिमान, 18 सितंबर

अमरावती - अंबानगरी के साथ ही समूचे जिले में विघ्नहर्ता क़ी विदाई का सिलसिला अनंत चतुर्दशी के दिन से महाप्रसाद के साथ शुरू हो गया है. अमरावती में लाखों भक्तों को प्रभावित करने वाले न्यू आजाद गणेश मंडल के विदर्भ के राजा की विदाई 23 सितंबर को होने की संभावना के बीच रोज विभिन्न मंडलों द्वारा बाप्पा को विदाई दी जा रही है. विदर्भ के राजा का दर्शन लाखों भक्तों ने जहां किया, वहीं दूसरी ओर शहर के 532 गणेश मंडलों द्वारा बाप्पा को आगामी साल के आमंत्रण के साथ विदाई दी जा रही है. सभी की आंखें नम हैं. मंगलवार को अनंत चतुर्दशी के दिन बड़े पैमाने पर घरेलू मंडलों का विसर्जन पेढ़ी नदी भातकुली रोड पर किया गया. शहर के साथ ही गणेशजी को ग्रामीण क्षेत्रों में भी विदाई दी जा रही है.

7 सितंबर से बाप्पा का आगमन होकर पूरे

जिले में गणेशोत्सव के आगमन से अपार हर्ष, उत्साह तथा उमंग का नजारा था. छाया कॉलोनी स्थित एकदंत और श्री अष्टविनायक गणेश मंडल के बाप्पा को भी विदाई दी गई. इससे पहले दोनों ही मंडलों द्वारा भव्य महाप्रसाद कार्यक्रम लिया गया, इसका हजारों भक्तों ने लाभ उठाया. विदर्भ का राजा, उज्जैन के महाकाल के साथ आजाद हिंद गणेशोत्सव के गणेश दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी. शहर में 532 से अधिक तथा जिले में 1400 से अधिक मंडलों द्वाराइस बार गणेशोत्सव मनाया गया. मंडलों द्वारा धार्मिक के साथ ही कहीं स्वास्थ्य शिविर,कहीं रोग निदान शिविर जैसे कार्यक्रम लेते हुए हजारों लोगों को इसका लाभ दिया गया. भक्तों ने आगामी साल के आमंत्रण के साथ ही बाप्पा को विदाई देते हुए उनसे देश की खुशहाली, अमन-चैन तथा सभी के जीवन में खुशियों की कामना की गई.

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक,

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहि

शादी-ब्य

आधुनिकतम सा
बेहतरीन गुणवत्ता क्ष
तो समूचे विदर्भ मे
विडियो शूटिंग के सा
कस्टमर योजना को
उठाएं 5 साल लाभ

राजप

शारदा नगर,

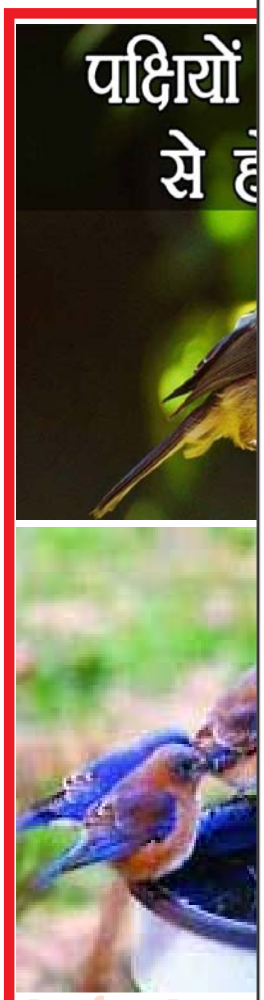

विदर्भ स्वाभिमान

मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करन वाला समाचार पत्र

का सुअवसर मिल रहा है.

कार्याल
विशेष प्रकल्प (

ई मेल पत्ता : daryapur.ee@mahapwd.gov.in

निविदा सुचना क्रमांक २३/

कार्यकारी अभियंता, विशेष प्रकल्प (सा.बां.) विभ
वतीने खालील कामाचे ब–१ नमुन्यातील ऑफलाईन नि
कंत्राटदाराकडून मागवित आहे. निविदा कागदपत्र शासना
निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्य

अ.क्र.	क
१	विशेष प्रकल्प (सा.बां.) विभाग क्र.२ दर्यापूर
२	दर्यापूर येथील शासकीय धान्य गोदाम क्रं.१ च
३	दर्यापूर येथील शासकीय धान्य गोदाम क्र.२ च
४	दगडागड ता. भातकुली येथील श्री हनुमान मं
५	वाकी रायपुर ता. भातकुली येथील श्री.प्रविण काँक्रीटीकरण करणे.
१	निविदा डाऊन लोड करण्याचा कालावधी
२	निविदा पुर्व बैठक स्थळ, दिनांक व वेळ
३	निविदाकारांनी ऑनलाईन निविदा तयार क (तांत्रिक व आर्थिक निविदा) अंतिम दिनांक
४	ई–निविदेची हार्ड कॉपी सादर करण्याचे ठि
५	तांत्रिक व आर्थिक निविदा उघडण्याचे ठिक

खालील संकेतस्थळावर ऑफलाईन –निविदाची सर्व मा
१) https://mahapwd.gov.in
(सदर निविदे सुचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास वरील
२) कार्यकारी अभियंता, विशेष प्रकल्प (सा.बां) विभाग
जा.३७७८/नि.नी./दि.१८/०९/२०२४
कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय, विशेष प्रकल्प (सा.

(जिमाका/अम./जाहि./७२/२०२४)